

High Blood Pressure

Blood pressure is the force put on the walls of the blood vessels with each heartbeat. Blood pressure helps move blood through your body.

Taking Your Blood Pressure

Blood pressure is often checked by putting a wide band called a cuff around your upper arm. Air is pumped into the cuff. Your blood pressure is measured as the air is let out of the cuff.

Blood pressure is one number over a second number.

- The top number is higher and is called the systolic reading. It is the pressure in the blood vessels when the heart pumps.
- The bottom number is lower and is called the diastolic reading. It is the pressure in the blood vessels when the heart rests between beats.

Normal Blood Pressure

Normal blood pressure is 120 over 80 or less. Blood pressure varies from person to person. Each person's blood pressure changes from hour to hour and from day to day.

High Blood Pressure

High blood pressure is also called hypertension. High blood pressure is 140 over 90 or higher. A diagnosis of high blood pressure is not made until your blood pressure is checked several times and it stays high.

The harder it is for blood to flow through your blood vessels, the higher your blood pressure numbers. With high blood pressure, your heart is working harder than normal. High blood pressure can lead to heart attack, stroke, kidney failure, and hardening of the blood vessels.

Signs of High Blood Pressure

The only way to know if you have high blood pressure is to have it checked. Most people do not have any signs. Some people may have a headache or blurred vision.

उच्च रक्तचाप (High Blood Pressure)

रक्तचाप वह बल है, जो हृदय की प्रत्येक धड़कन के साथ रक्त वाहिकाओं की दीवारों पर डाला जाता है। रक्तचाप से आपके पूरे शरीर में रक्त भेजने में सहायता मिलती है।

अपने रक्तचाप को मापना

रक्तचाप की जांच प्रायः आपकी बाँह के ऊपरी हिस्से के आसपास एक चौड़ी पट्टी रखकर की जाती है, जिसे कफ़ कहा जाता है। हवा कफ़ में डाली जाती है। जब हवा कफ़ से बाहर आती है, तब आपका रक्तचाप मापा जाता है।

रक्तचाप किसी दूसरी संख्या पर पहली संख्या है।

- ऊपरी संख्या उच्चतर होती है और इसे प्रकुंचक पाट्यांक (systolic reading) कहा जाता है। यह हृदय के पम्प करने पर रक्तवाहिकों में दबाव है।
- निचली संख्या निम्नतर है और इसे अनुशिथिलन पाट्यांक (diastolic reading) कहा जाता है। यह धड़कनों के बीच हृदय के आराम करने के समय रक्त वाहिकाओं में दबाव है।

सामान्य रक्तचाप

सामान्य रक्तचाप 80 या इससे कम पर 120 होता है। प्रत्येक व्यक्ति का रक्तचाप भिन्न होता है। प्रत्येक व्यक्ति का रक्तचाप प्रति घंटे और प्रतिदिन बदलता रहता है।

उच्च रक्तचाप

उच्च रक्तचाप को अतिरिक्त दाब (हाइपरटेंशन) भी कहा जाता है। उच्च रक्तचाप 90 पर 140 या इससे अधिक है। उच्च रक्तचाप का निदान (diagnosis) तब तक नहीं किया जाता है जब तक आपके रक्तचाप की कई बार जांच न की जाएँ और यह उच्च न बना रहे।

आपके रक्त के लिए आपकी रक्त वाहिकाओं में प्रवाहित होना जितना कठिन होगा, आपके रक्तचाप की संख्या उतनी ही उच्च होगी। आपका हृदय उच्च रक्तचाप के कारण सामान्य से अधिक काम कर रहा है। उच्च रक्तचाप के कारण दिल का दौरा, रक्ताघात, गुर्दे का काम न करना और रक्त वाहिकाओं का कठोर हो जाना जैसे रोग हो सकते हैं।

उच्च रक्तचाप के लक्षण

क्या आपको उच्च रक्तचाप है – इस बात को जानने का केवल एक ही तरीका है कि इसकी जाँच करवाई जाएँ। अधिकांश लोगों में कोई लक्षण नहीं होता। कुछ लोगों को सिरदर्द हो सकता है या धुंधला दिखाई दे सकता है।

Your Care

Blood pressure control is very important. If you have high blood pressure you should:

- Check your blood pressure often. Call your doctor if your blood pressure stays high.
- See your doctor as scheduled.
- Take your blood pressure medicine as ordered by your doctor.
- Take your medicine even if you feel well or your blood pressure is normal.
- Lose weight if you are overweight.
- Limit salt in your food and drinks.
- Avoid alcohol.
- Stop smoking or tobacco use.
- Exercise most every day.
- Reduce stress.
- Practice relaxation daily.

Call 911 **right away** if you have:

- A severe headache
- Vision changes
- Chest pain, pressure or tightness that is not better with nitroglycerin
- Have a hard time breathing or get short of breath
- Sudden numbness, tingling or weakness in the face, arm or leg
- Sudden confusion, trouble understanding or trouble speaking
- Trouble swallowing

आपकी देखभाल

रक्तचाप का नियंत्रण बहुत महत्वपूर्ण है। यदि आपको उच्च रक्तचाप है, तो आपको निम्नलिखित काम करने चाहिए :

- अपने रक्तचाप की अक्सर जांच करवाएं। यदि आपका रक्तचाप उच्च बना रहता है, तो अपने चिकित्सक को फोन करें।
- अपने चिकित्सक से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मिलें।
- अपने चिकित्सक के आदेश के अनुसार रक्तचाप की दवा लें।
- उस हालत में भी दवा खाएं चाहे आप स्वस्थ अनुभव कर रहे हों या आपका रक्तचाप सामान्य हो।
- यदि आपका वजन अधिक हो तो इसे कम करें।
- अपने भोजन और पेय पदार्थों में नमक कम मात्रा में लें।
- अलकोहल से बचें।
- धूम्रपान छोड़ दें या तम्बाकू का उपयोग न करें।
- व्यायाम लगभग प्रतिदिन करें।
- तनाव कम करें।
- प्रतिदिन आराम करें।

यदि आपको निम्नलिखित हो, तो तुरन्त 911 पर फोन करें।

- तेज सिरदर्द
- नज़र में परिवर्तन
- सीने में दर्द, दबाव या कड़ापन, जिससे नाइट्रोग्लिसरील से आराम नहीं मिलता
- सांस लेने में परेशानी होना या सांस फूलना
- चेहरे, बाँह या टांग में अचानक सुन्नपन, झुनझुनी या कमजोरी
- अचानक घबराहट, समझने में कठिनाई या बोलने में कठिनाई
- निगलने में कठिनाई

High Blood Pressure. Hindi.

6/2005. Developed through a partnership of The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at www.healthinfotranslations.com.